सांध्य दैनिक 4PM

कोई भी व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 12 • अंक: 36 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, बुधवार 11 मार्च, 2026

पश्चिम एशिया संकट बनेगा आईपीएल... 7 | बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक आजकल... 3 | किसी को 'हाता नहीं भाता', इसीलिए... 2

इजरायल-ईरान जंग में पूरी दुनिया चपेट में आई

चारों ओर बस त्राहिमाम-त्राहिमाम

- दिल्ली से चेन्नई तक देशभर में एलपीजी की भारी किल्लत
- सिलेंडर के लिए लग रही लंबी-लंबी लाइनें
- विपक्ष ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान जंग का 11वां दिन है। 28 फरवरी 2026 से शुरू हुई इस जंग में अब तक काफी कुछ बदल चुका है। ईरान- इजरायल-अमेरिका लड़ाई अब और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। जहां इजरायल ईरान व उसके साथियों पर मिसाइल हमले तेज कर रहा है तो वहीं ईरान भी पीछे नहीं हट रहा है। उसने भी खाड़ी देशों पर हमले तेज कर दिए है। पश्चिम एशिया के देश में तो युद्ध की वजह से भारी तबाही मच गई है। पर इसका असर अब पूरी दुनिया पर होने लगा है।

सबसे ज्यादा असर तेल व गैस की आपूर्ति को लेकर है। बता दें कि ईरान के होर्मुज से ही पूरी दुनिया में तेल व गैस का आवागमन होता है। ईरान की लड़ाई की वजह से आवाजाही बंद हो गई है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा को भारत को भुगतना पड़ा रहा है। देश भर में एलपीजी की सप्लाई चरमरा गई है। जिसकी वजह से कई शहरों में गैस की दुकानों पर लंबी-लंबी लाइनें लग गई हैं। इसकों लेकर सियासी घमासान भी आरंभ हो गया है। कांग्रेस ने पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजे एलपीजी संकट पर केंद्र सरकार पर जनता से झूठ बोलने का आरोप लगाया है, दावा किया कि व्यावसायिक आपूर्ति रोकी जा रही है। इसके जवाब में सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने और वाणिज्यिक वितरण को प्रतिबंधित करने का कदम उठाया है।

केंद्र सरकार जनता से झूठ बोल रही : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर एलपीजी गैस की कमी को लेकर केंद्र सरकार जनता से झूठ बोल रही है। वेणुगोपाल ने कहा कि गैस एजेंसियों को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न करने के निर्देश दिए गए हैं। गैस एजेंसियों को निर्देश भेजे गए हैं कि वे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न करें। स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। सरकार भारत की जनता से पूरी तरह झूठ बोल रही है। कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने एलपीजी गैस संकट से निपटने के लिए सरकार की तैयारियों की कमी पर सवाल उठाया। हम बार-बार हवाई किराए पर नियंत्रण की मांग कर रहे हैं। लेकिन ज्यादातर क्षेत्रों में, खासकर खाड़ी देशों में, स्थिति यह है कि कोई नियंत्रण नहीं है, और यह पूरी तरह से एयरलाइन के विवेक पर छोड़ दिया जाता है।

मोदी की गलती है, एक करोड़ लोग बेरोजगार : केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा, इस वक्त देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। इसका कारण है कि पूरे देश में डेली प्रोडक्शन का 50 फीसदी ही प्रोड्यूस हो रहा है। हमारे देश में एलपीजी की जितनी खपत है उसका 60 फीसदी हम आयात करते हैं। उस 60 फीसदी का 90 परसेंट स्ट्रेट ऑफ होर्मूस से आता है। यह भारत के लिए बंद हो गया। अब देश में केवल 50-55 प्रतिशत एलपीजी ही मिल रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, गुजरात के टाइल इंडस्ट्री के कैपिट मोरबी में, जहां 650 इंडस्ट्री हैं वहां 170 बंद हो चुकी हैं और एक लाख लोग बेरोगजार हो गए हैं। पूरे देश में एक करोड़ से ज्यादा लोगों के एकदम से बेरोजगार होने की आशंका है। एकदम से इतने सारे लोगों के बेरोजगार होने पर क्या स्थिति होगी हम सोच सकते हैं।

भारत 55-60 परसेंट एलपीजी आयात करता है

भारत अपनी जरूरत का लगभग 55-60 परसेंट एलपीजी आयात करता है। इनमें से ज्यादातर यूएईऔर सऊदी अरब और कतर जैसे देशों से मंगाए जाते हैं। कारोबार साल 2025 में भारत की घरेलू एलपीजी जरूरतों का 66 परसेंट आयात से पूरा हुआ। भारत का 92 परसेंट एलपीजी इम्पोर्ट मिडिल ईस्ट से हुआ। 40 परसेंट , 22 परसेंट कतर और सऊदी अरब व कुवैत दोनों से 15-15 परसेंट हुआ। अमेरिका-ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से सप्लाई बाधित हो रही है। यही वजह है कि ग्लोबल एनर्जी संकट और घरेलू किल्लत को रोकने के लिए सरकार ने ईसीए 1955 को लागू कर दिया है।

ईरान के तेल व पावर पर कंट्रोल चाहते ट्रंप

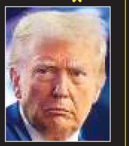

तेहरान यूनिवर्सिटी में वर्ल्ड स्ट्रैटजी के पॉलिटिकल एनालिस्ट फोआद इजादी ने अल जजीरा को बताया कि कई ईरानियों का मानना है कि यह युद्ध देश के तेल पर नियंत्रण और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर कब्जे को लेकर है। सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि ट्रम्प को हमारा तेल चाहिए। ईरानी कई वर्षों से यही कहते और मानते आ रहे हैं उन्होंने तर्क दिया कि वाशिंगटन की रणनीति पुरानी साम्राज्यवादी नीतियों का नतीजा है।

हर राज्य में हजारों होटल हो रहे बंद

आम आदमी पार्टी प्रमुख ने आगे बताया, इसका सबसे बड़ा खामियाजा रेस्टोरेंट और होटल बर्दाश्त कर रहे हैं। सरकार ने आदेश जारी किया है कि रेस्टोरेंट और होटल को एलपीजी गैस मुहैया नहीं कराई जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर रेस्टोरेंट और होटल इन सिलेंडरों के स्टॉक नहीं रख सकते। उन्हें डेली सिलेंडर सप्लाई किए जाते हैं। अब एकदम से एलपीजी बंद हो गई तो उनके पास दो दिन का भी स्टॉक नहीं है।

खाड़ी देशों में ईरान के हमले बढ़े

ये घटना ऐसे समय पर हुई है जब ईरान ने गल्फ देशों यानी यूएई, सऊदी अरब, कतर, बहरीन और कुवैत पर काउंटर अटैक्स तेज कर दिए है। अबू धाबी के रुवैस रिफाइनरी में भी ड्रोन हमले से आग लगी थी और उसे बंद करना पड़ा था। भारतीय दूतावास दुबई में घायल भारतीय नागरिक की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जरूरी मदद पहुंचाने की तैयारी में हैं। दुबई एयरपोर्ट पर भी हमला हुआ है।

भारतीयों के लिए एडवाइजरी

भारत सरकार ने यूएई में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी भी जारी की है। दुबई और अबू धाबी में रहने वाले भारतीयों को अलर्ट रहने और लोकल अथॉरिटीज के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है. अगर कोई भारतीय नागरिक प्रभावित हुआ है, तो भारतीय दूतावास दुबई (+971-4-3971222) या अबू धाबी (+971-2-4492700) से संपर्क करें।

मेहराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमला

अमेरिका और इजरायल ने तेहरान पर फिर से बड़े हमले किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट (तेहरान का मुख्य घरेलू एयरपोर्ट) और शहर के कई दूसरे इलाकों को निशाना बनाया गया. ईरानी स्टेट मीडिया और चश्मदीदों ने बताया कि एयरपोर्ट के आसपास जोरदार धमाके हुए, आग लगी और धुआं उठता दिखा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि कमर्शियल प्लेन तहखाने पर जलते दिखे।

किसी को 'हाता नहीं भाता', इसीलिए वो 'शर्तों' का है अंबार लगाता है : अखिलेश

» स्वामी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को 26 शर्तों के बाद मिली अनुमति पर सपा ने कसा तंज

» सपा चीफ ने कहा- आंख और मुंह कितने सेंटीमीटर खुले ये भी बता देते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्वामी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के प्रस्तावित कार्यक्रम को प्रशासन ने सशर्त अनुमति को लेकर सियासी बवाल मच गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसको लेकर योगी सरकार को घेरा है। आपकों बता दें लखनऊ विकास प्राधिकरण की स्मारक समिति और पुलिस ने कुल 26 शर्तें तय करते हुए आयोजन की इजाजत दी है।

इस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा सरकार पर इसको लेकर तंज भी कसा है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर कन्नौज सांसद ने लिखा कि आंख और मुंह कितने सेंटीमीटर खुल सकते हैं, ये शर्त भी रख देते। किसी को 'हाता नहीं भाता', इसीलिए वो 'शर्तों' का है अंबार लगाता।

सनातन का सम्मान नहीं कर सकते हैं तो अपमान न करें भाजपाई

यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि भाजपाई सनातन का सम्मान नहीं कर सकते हैं तो भले न करें परंतु अपमान भी न करें। उप्र की अहंकारी सरकार जिस समाज विशेष के मान की बाँह मरोड़ रही है, वो बात उस समझदार समाज को समझ आ रही है। यहाँ तक कि उस समाज के जो लोग बीजेपी सरकार में मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद या कहें किसी और तरह के जनप्रतिनिधि हैं, वो भी इस मामले में अपने समाज से मुँह छिपा रहे हैं लेकिन बीजेपी की भट्टी पर अपने स्वार्थ की रोटी सेंकनेवाले ऐसे भाजपाई जनप्रतिनिधि, अपने ही समाज में सम्मान खो चुके हैं जनता अगले चुनाव में उनको सबक सिखाएगी। इन जनप्रतिनिधियों में से जो कुछ लोग अपने समाज के सच्चे शुभचिंतक हैं वो उन अन्य दलों के संपर्क में हैं जो सदैव सनातन और इस समाज का सम्मान भी करते रहे हैं और जिन्होंने उन्हें सदैव यथोचित मान-स्थान भी दिया है।

निंदनीय! घोर आपत्तिजनक! विनाशकाले विपरीत बुद्धि!

उन्होंने लिखा कि और हां 'कोविड-19' अभी भी चल रहा है क्या? अगर ये सच है तो सरकार की अपनी किस मीटिंग या बीजेपी के किस आयोजन में इसका आखिरी बार अनुपालन हुआ, उसका प्रमाण दिया जाए, भाजपाई और उनके संगी-साथियों की भूमिगत बैठकों में क्या ये लागू होता है, कहीं ऐसा तो नहीं कि इसी कारण 'बाटी-चोखा' वाली बैठक पर पाबंदी लगाई गयी थी। अतार्किक बंदिशें लगाना कमज़ोर सत्ता की पहचान होती है निंदनीय! घोर आपत्तिजनक!! विनाशकाले विपरीत बुद्धि!!!

युवाओं के बाद बिहार से मुख्यमंत्री का ही पलायन हो गया : पीके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतास। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तंज कसते हुए कहा कि पहले सिर्फ बिहार से युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री भी पलायन कर रहे हैं। सरकार ने चुनाव के समय अपराध पर लगाम लगाने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने एवं पलायन रोकने जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे और आज स्थिति यह है कि सब कुछ पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

उन्होंने पलायन के मुद्दे पर जोर देकर कहा कि पिछले वर्ष नवंबर के बाद से बिहार के 50 से ज्यादा लोगों की अन्य राज्यों में मौत हो चुकी है। अगर लोग इसी तरह धर्म, जाति एवं पैसों के लालच में वोट देंगे, तो बिहार की स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। बता दें कि प्रशांत किशोर मंगलवार को सासाराम आगमन के दौरान एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। प्रशांत किशोर ने पिछले विधानसभा चुनाव में मिली हार पर कहा कि उन्होंने हिंदू मुस्लिम, ऊंच नींच, जाति एवं पैसे के प्रलोभन वाली राजनीति ना करके बहुत बड़ी गलती कर दी। उन्होंने ईमानदारी से बिहार के बच्चों के नाम पर वोट देने की अपील की, लेकिन लोगों को बात समझ में नहीं आई।

किसी की धमकी बर्दाश्त नहीं करेंगे : ममता

» सीएम ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को सीमा में रहने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें चेतावनी दी है कि वह अपनी सीमा से बाहर न जाएं। इसके जवाब में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि राज्य में किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा और आयोग का लक्ष्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है।

कोलकाता के एस्प्लानेड स्थित मेट्रो चैनल पर धरने के दौरान ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर कटाक्ष करते हुए कहा कि साहस होना अच्छी बात है, लेकिन दुस्साहस के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में राज्य के अधिकारियों को धमकाया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बैठक में अधिकारियों को यह कहा गया कि अभी ही नहीं बल्कि मई के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले अपनी कुर्सी बचाइए, फिर बंगाल के अधिकारियों और लोगों को धमकाइए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर व्यंग्य करते हुए यह भी कहा कि वह खुद को किसी काल्पनिक नायक की तरह समझ रहे हैं और ऐसे लोग लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। कालीघाट मंदिर की उनकी यात्रा का जिक्र करते हुए ममता ने कहा कि मंदिर जाते समय कोई लगभग फिसल गया था, शायद यह संकेत है कि देवी मां भी वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने से खुश नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों को प्रभावित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम मतदाताओं को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है।

तकनीकी साधनों के प्रयोग से उपनामों में पैदा की गई हैं गलतियां

ममता बनर्जी ने यह भी सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूची में कथित तर्कगत त्रुटियां हैं तो वह केवल पश्चिम बंगाल में ही क्यों सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तकनीकी साधनों के प्रयोग से उपनामों में गलतियां पैदा की गई हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक योजना के तहत पहले वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं और बाद में मतदान मशीनों में ग?ब?ी करने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि मतगणना के दिन भी ऐसी रणनीति अपनाई जा सकती है जिससे जनता को गलत संदेश दिया जाए।

विस चुनाव में पंजाब में आप का हाल दिल्ली जैसा होगा : सुखवीर सिंह बादल

» शिअद की पंजाब बचाओ रैली में मान सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना। एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी खन्ना में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पंजाब बचाओ रैली आयोजित की। उन्होंने कहा आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार का हाल दिल्ली जैसा होगा। रैली में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने एलान किया कि पंजाब में शिअद की सरकार बनते ही खन्ना और जगरांव को जिलों का दर्जा दिया जाएगा।

सुखबीर ने कहा कि एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी खन्ना का आधुनिकीकरण किया जाएगा। उन्होंने आप सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने 52 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेकर और सरकारी संपत्तियों को बेचकर कुछ महीनों के लिए महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह देने का निर्णय लिया है। यह नकद देकर वोट खरीदने का प्रयास है। बादल ने घोषणा की कि शिअद की सरकार बनने पर प्रत्येक जिले में मेडिकल और पशु चिकित्सा कॉलेज खोलेंगे। साथ ही एक विश्व स्तरीय स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करेंगे। नौजवानों को उद्यमी बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 10 लाख रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज भी प्रदान करेंगे। पंजाब की जनता एक बार गलती कर चुकी है लेकिन अब दोबारा वही गलती नहीं करेगी।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

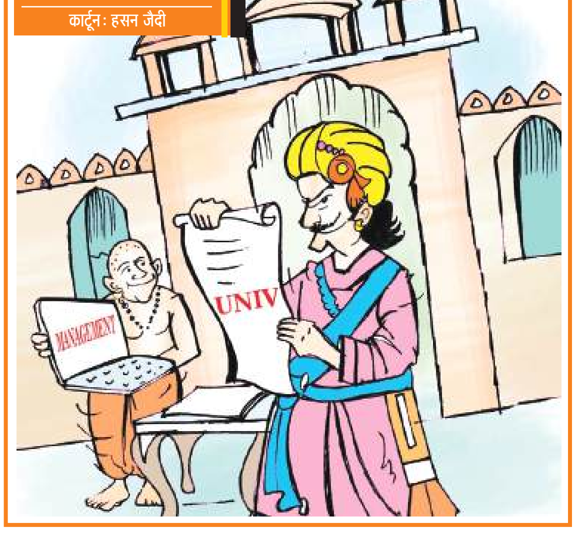

मोदी सरकार संवैधानिक गड़बड़ी पैदा कर रही है : औवैसी

» जगदंबिका पाल द्वारा कार्यवाही की अध्यक्षता करने की वैधता पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए भाजपा सांसद जगदंबिका पाल द्वारा कार्यवाही की अध्यक्षता करने की वैधता पर सवाल उठाया। ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 95 और 96 का हवाला देते हुए तर्क दिया कि अध्यक्ष द्वारा नियुक्त पाल अविश्वास प्रस्ताव पर बहस की अध्यक्षता नहीं कर सकते।

उन्होंने सदन का रुख स्पष्ट करने की मांग की और कहा कि नियम 10 संवैधानिक प्रावधानों को रद्द नहीं कर सकता। उन्होंने सरकार पर संवैधानिक गड़बड़ी पैदा करने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि महोदय, आप (भाजपा सांसद जगदंबिका पाल) अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे हैं। आपको अध्यक्ष ने नियुक्त किया है। मेरा मानना है कि आप वहां बैठकर कार्यवाही नहीं कर सकते। सदन का रुख स्पष्ट होना चाहिए। नियम 10 संविधान के अनुच्छेद 95 और 96 को रद्द नहीं कर सकता। इस सरकार ने संवैधानिक गड़बड़ी पैदा कर दी है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार प्रक्रियात्मक नियमों का इस्तेमाल करके अनिवार्य संवैधानिक आवश्यकताओं को दरकिनार कर रही है। संविधान के अनुच्छेद 95 और 96 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के कर्तव्यों से संबंधित हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि इन पदों के रिक्त होने पर या उन्हें हटाने के प्रस्ताव पर विचाराधीन होने पर कौन अध्यक्षता करेगा। लोकसभा के नियम 10 के तहत अध्यक्ष को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्षता करने के लिए अध्यक्षों के पैनल को मनोनीत करने का अधिकार है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू नेलोकसभा में अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्ष पर अशांत होने और जनता की इच्छा के विरुद्ध जाने का आरोप लगाया, क्योंकि उनका आरोप है कि वे अध्यक्ष की शक्ति को अपने लिए हथियाना चाहते हैं।

बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक आजकल राजनीति में भारी उथलपुथल

शरद पवार व नीतीश कुमार को लेकर रार

- » राज्यसभा सीट व केंद्र शासित प्रदेश को लेकर बवाल
- » भाजपा के चाल में फंसा विपक्ष
- » आदित्य ने उठाए शरद पवार की सीट पर सवाल
- » राज्यपालों की नियुक्ति पर भी बवाल जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक आजकल राजनीति में भारी उथलपुथल जारी है। जहां महाराष्ट्र में एनसीपी नेता अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने पूरी कमान संभाल ली है। वहीं बिहार में भाजपा ने नीतीश कुमार को राज्य सभा भेजने का मन बनाकर वहां की सियासी तपिश बढ़ा दी है। विपक्ष कह रहा है कि बीजेपी बिहार व बंगाल को काटकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने का खेल खेल रही है।

नीतीश जी को हटाने और लेफ्टिनेंट जनरल राज्यपाल लाने के पीछे यही चाल है। बता दें ये बात सांसद पप्पू यादव ने अपने सोशल मीडिया पर लिखी है। उधर मुंबई में शरद पवार को राज्य सभा भेजे जाने से आदित्य ठाकरे का गुट राज्यसभा सीट छोड़ने को लेकर विशेष रूप से नाराज है, उनका तर्क है कि पूर्व समझौतों के अनुसार यह सीट उनकी पार्टी को मिलनी चाहिए थी। वहीं राज्यपालों की नियुक्ति पर भी बवाल जारी है।

केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना गंभीरता से नहीं लें : नित्यानंद राय

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि केंद्र सरकार बिहार और पश्चिम बंगाल के जिलों को अलग करके एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना बना रही है। माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर एक पोस्ट में बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी खबरों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। राय ने हिंदी में लिखे अपने एक्स पोस्ट में कहा कि यह बिल्कुल गलत है कि बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को अलग करके केंद्र शासित प्रदेश बनाने की कोई योजना है। पप्पू यादव के ट्वीट को कोई गंभीरता से न ले। उन्होंने इसके साथ ही पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को भी टैग किया। कांग्रेस समर्थक निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने दावा किया कि नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजना और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को बिहार का नया राज्यपाल नियुक्त करना, बिहार के सीमांचल क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के मुस्लिम बहुल जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर को अलग करके नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स ने भी ऐसे ही दावे किए हैं।

कई राज्यों में राज्यपाल पद पर फेरबदल की सियासत

तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस फैसले को व्यापक प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बदलाव के तहत पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह सीवी आनंद बोस का स्थान लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्ष से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे और उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली और लद्दाख में भी अहम बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी तनावपूर्ण थे

तमिलनाडु में आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी काफी तनावपूर्ण रहे। सत्तारूढ़ डीएमके ने कई बार आरोप लगाया कि राज्यपाल निर्वाचित सरकार के समानांतर राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल रवि ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देर की थी। इसके बाद अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और दस विधेयकों को प्रभावी रूप से स्वीकृत मान लिया गया। राज्यपाल रवि कई बार विधानसभा में सरकार के तैयार भाषण को पढ़े बिना ही बाहर चले गए या फिर अपने विचारों के अनुसार भाषण में बदलाव किया। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि निर्णय उन पर होता तो वे नीट से छूट देने वाले विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देते। इन घटनाओं के कारण राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही। आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और खुफिया ब्यूरो में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2021 के बीच वे नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे थे। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं।

नीतीश कुमार का राज्यसभा में कदम और बिहार में नए राज्यपाल पर रार

इस सप्ताह की शुरुआत में बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा एवं जनता दल (यूनाइटेड) के नेताओं की उपस्थिति में राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। जेडीयू प्रमुख ने कहा कि अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही उनकी इच्छा संसद के दोनों सदनों और बिहार विधानसभा के दोनों सदनों का सदस्य बनने की थी। कुमार ने कहा, दो दशकों से अधिक समय से आपने मुझ पर निरंतर विश्वास और समर्थन जताया है और इसी विश्वास के बल पर हमने बिहार और आप सभी की पूरी निष्ठा से सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की शक्ति ने ही बिहार को आज विकास और गौरव के नए आयामों तक पहुंचाया है।

शरद पवार की पार्टी विश्वसनीय नहीं है : आदित्य

आदित्य ठाकरे का गुट राज्यसभा सीट छोड़ने को लेकर विशेष रूप से नाराज़ है, उनका तर्क है कि पूर्व समझौतों के अनुसार यह सीट उनकी पार्टी को मिलनी चाहिए थी। सूत्रों से पता चला है कि शुरुआत में उद्धव ठाकरे ने पवार की उम्मीदवारी का विरोध करने में आदित्य ठाकरे का समर्थन किया था। शिवसेना के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आदित्य का तर्क स्पष्ट था कि शरद पवार की पार्टी विश्वसनीय नहीं है क्योंकि वे पिछले एक साल से अजीत पवार के साथ विलय के लिए बातचीत कर रहे थे। अगर हम यह सीट शरद पवार को दे देते हैं, तो क्या गारंटी है कि वे अगले चुनावों तक हमारे साथ रहेंगे? उन्होंने आगे तर्क दिया कि मध्य पूर्व गठबंधन में तय की गई पंक्तिबद्ध संरचना के अनुसार, अगर यह सीट किसी वरिष्ठ पवार नेता को मिलती है, तो कांग्रेस 2028 में इस पर दावा करेगी।

ममता बनर्जी बरसी- पहले कोई परामर्श नहीं किया

ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह संविधान की भावना और देश की संघीय संरचना के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बहरहाल, मोदी सरकार जल्द ही अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे करने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो चुका है। देखना होगा कि आने वाले समय में मोदी मंत्रिमंडल में क्या फेरबदल होते हैं या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

संजय राउत का शरद पवार के समर्थन से असंजस

इससे यह चिंता बढ़ गई कि शिवसेना लगातार दो राज्यसभा सीटें हार सकती है, पहले पवार से और फिर कांग्रेस से, जिससे पार्टी की स्थिति कमजोर हो जाएगी। नामांकन दाखिल करने के दिन आदित्य ठाकरे की अनुपस्थिति को व्यापक रूप से पार्टी के भीतर सीट के आवंटन को लेकर चल रहे असंतोष और असहमति के संकेत के रूप में देखा गया। संजय राउत का शरद पवार के प्रति अटूट समर्थन स्थिति को और जटिल बना दिया। शिवसेना के वरिष्ठ नेता राउत ने ठाकरे खेमे के आंतरिक विरोध के बावजूद, शुरू से ही पवार के नामांकन की वकालत की। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि पवार के लिए राउत का आग्रह एक स्वार्थी कदम है, उनका सुझाव है कि राउत, जो 2028 में राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, पवार को वर्तमान सीट सौंपकर भविष्य में किसी सीट के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjayshrma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ रही गर्मी, खान-पान और पानी का संतुलन रखें

> शरीर को ठंडक देने के लिए छाछ, दही, कैरी का पना और ठंडा पानी जैसे पेय पदार्थों का सेवन लाभकारी है। हल्के और ढीले वस्त्र पहनना भी गर्मी से राहत देता है। पारंपरिक देशी पंखों से हवा करना शरीर को सक्रिय बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

होली के बाद से उत्तर भारत में पारा चढ़ने लगता है। अप्रैल में लू चलने की संभावना है ऐसे में बचाव के लिए सावधानी जरूरी है। भीषण गर्मी और लू का प्रकोप मानव जीवन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए सावधानी बरतना आवश्यक है। तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो छतरी का उपयोग करें और सिर ढककर रखें। शरीर को ठंडक देने के लिए छाछ, दही, कैरी का पना और ठंडा पानी जैसे पेय पदार्थों का सेवन लाभकारी है। हल्के और ढीले वस्त्र पहनना भी गर्मी से राहत देता है। पारंपरिक देशी पंखों से हवा करना शरीर को सक्रिय बनाए रखने में सहायक हो सकता है। गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में लू और भीषण तापमान से बचने के लिए कुछ सावधानियां अपनाना जरूरी है। बाहर जाने के लिए सुबह और शाम का समय बेहतर माना जाता है, जबकि दोपहर के समय घर से निकलने से बचना चाहिए क्योंकि उस दौरान तापमान अधिक होता है। सूती और पूरे कपड़े पहनना शरीर को गर्मी से बचाता है।

घर से निकलते समय पानी पीकर जाएं और साथ में भी पानी रखें। भोजन के साथ कैरी की छाछ का सेवन करना भी शरीर को ठंडक देता है। गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना सबसे जरूरी है। प्यास न लगने पर भी समय-समय पर पानी पीते रहना चाहिए। ग्लूकोज या ओआरएस का घोल शरीर को ऊर्जा और तरल संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। आहार में कच्चे आम का पना, बेल का शरबत, छाछ और नारियल पानी शामिल करना लाभकारी है। तरबूज और खरबूजा जैसे मौसमी फल भी शरीर को ठंडक देते हैं। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें और बाहर निकलते समय सिर ढकने के साथ छतरी या धूप के चश्मे का उपयोग करें। भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए नियमित और संतुलित दिनचर्या अपनाना जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें और घर से बाहर निकलने से पहले पर्याप्त पानी अवश्य पिएं। हल्का और सुपाच्य भोजन करना बेहतर रहता है। भोजन के साथ ठंडी तासीर वाले फलों का सलाद शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा कैरी का पना, नींबू शिकंजी, दही और छाछ जैसे पेय पदार्थ गर्मी के मौसम में शरीर को शीतलता प्रदान करते हैं और लू के प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं। गर्मी और लू से बचने के लिए शरीर को धूप से सुरक्षित रखना जरूरी है। बाहर निकलते समय मुंह और कान को कपड़े या गमछे से ढकना उपयोगी हो सकता है। इसके साथ ही लंबी बाजू की शर्ट या पूरे कपड़े पहनना भी धूप के सीधे प्रभाव से बचाता है। ऐसी सावधानियां अपनाने से शरीर पर पड़ने वाली गर्म हवाओं का असर कम होता है और हीटवेव से होने वाली परेशानी से काफी हद तक बचाव संभव है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

सुरेश सेठ

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है। लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईएईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है।

अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है। इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं। अरब देश जंग में एक या दूसरा पक्ष लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ऐसी हालत में भारत का स्टैंड यही है कि बंद करो ये मौत का पागलपन, और अपनी

लड़ाई को संवाद से रोको। लेकिन यहां तो अमेरिका व इस्राइल का लक्ष्य यह है कि ईरान में सत्ता बदलेगी, तभी संवाद शुरू करेंगे। ऐसे में मौत का यह तांडव कैसे नियंत्रित होगा जबकि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए कमजोर शक्ति सिद्ध हो चुका है।

अमेरिका द्वारा बनाया गया पीस बोर्ड वजूद में आए, इससे पहले ही यह भयानक जंग शुरू हो गई। इसलिए यह एक सामूहिक तबाही का युद्ध साबित हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देश जो अहिंसा की राह पर चलते हुए वसुधैव कुटुम्बकम का सपना देख रहे थे, उनके लिए एक मुश्किल इम्तिहान पैदा हो गया। उनके आसमान में तबाहियों के ये मशवरे हर ओर लहराने लगे। इससे बचकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना का बिगुल कैसे बजाया जाए, आज तीसरी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने वाले भारत के सामने यही चुनौती है।

पुरुषवादी वर्चस्व से संघर्ष के बाद हासिल सफलता के मायने

प्रदीप पत्रिका

संभावना और हकीकत, इरादा और कर्म के बीच संशय, खुद को ढाल लेने और यहां तक कि भय का साया मंडराता रहता है। इंसान के इतिहास और वजूद की लंबी शृंखला में जितनी चीजें जश्न मनाने लायक हैं, उतनी ही अफसोस करने लायक भी। जब मैं महिला दिवस के अर्थ और अहमियत के बारे सोचता हूं, तो मुझे अहसास होता है कि कैसे पीटी उषा, मैरी कॉम, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और कई दूसरी खिलाड़ियों ने उस 'पुरुषवादी दृष्टि' को बदल दिया, जो उन्हें एक खास तरीके से देखने को सिखाया जाता है। इन चारों में, सुपर एथलीट उषा, महान बॉक्सर मैरीकॉम, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और कुश्ती में शोषण के खिलाफ प्रतिरोध का चेहरा बनी विनेश फोगाट, काफी कुछ समान है।

उन्होंने ऐसी व्यवस्था में व्याप्त मुश्किलों के विरुद्ध लड़ाई की और कामयाबी पाई, जो महिलाओं व गरीब के खिलाफ है। बहुत कुछ हासिल करने के बावजूद, वे अभी एक ऐसे समाज में स्वीकृति पाने को संघर्षरत हैं जो महिला को कार्यस्थल व खेल मैदान में बराबर के सहयोगी की बजाय बतौर खतरा अधिक देखता है। जिंदगी सीखने का अनुभव है, सफर जो किसी की धारणा, तय सोच को चुनौती देता है। दीवार पर लगा आईना वही दिखाता है जो सामने है, लेकिन आप मनभावन ही देखना चाहते हैं। देश के करोड़ों नौजवानों की तरह, मेरे मानस में भी हिंदी सिनेमा में दिखाई जाने वाली ऐसी औरत की छवि बस गई, जिसकी जिंदगी का मकसद वफादारी, नि:स्वार्थ भाव, गुलामी चुनना और मर्द जीवनसाथी को सफल होने में मदद करना है। वे गोरी, नाजुक, अबला थीं और उन्हें दुनिया से बचाने को वीर पुरुष की जरूरत थी। मैं 1979 में पत्रकारिता की दुनिया में शामिल हुआ, जहां खेल पत्रकारिता केवल मर्दों का काम था। सुना था कि किरण पेशावरिया, जिन्हें आज हम पूर्व पुलिस अफसर से राजनेता बनीं किरण बेदी के नाम से जानते हैं, एक उभरती टेनिस प्लेयर थीं, जो अपने खेल कौशल के अलावा कोर्ट पर गुस्सैल स्वभाव के लिए भी ख्यात थीं। इसकी वजह मानते थे कि वे 'कुलीन' परिवार में पली-बढ़ी 'बिगड़ैल' लड़की हैं।

मेरे लिए इसका और ज्यादा जीता-जागता उदाहरण चंडीगढ़ की नेशनल बैडमिंटन चैंपियन कंवल ठाकर सिंह और उनकी बहन किरण थीं, जिनके साथ मिल उन्होंने राष्ट्रीय डबल्स प्रतियोगिता जीती थी। आज हम किरण को बतौर फिल्म स्टार और सांसद जानते हैं। यहां भी, ज्यादा चर्चा होती कोर्ट पर उनके नाज-नखरे की जिसे 'विशिष्ट' पृष्ठभूमि से जोड़ा जाता था। साल 1984 में ठेठ भारतीय हकीकत से जुड़ी एक और महिला खिलाड़ी उभरकर आयी, पीटी उषा। 'पायोली एक्सप्रेस' नाम से मशहूर यह खिलाड़ी ओलंपिक्स की 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतने से जरा सी चूक गईं और बाद में 1986 एशियन खेलों में 4 स्वर्ण पदक जीते। उषा ने उन सब रूढ़ियों को तोड़ने की शुरुआत की थीं, जो समाज ने गढ़ रखी थीं।

वह दुबली-पतली, सांवली, भारत के संघर्षशील कामगार वर्ग की मिट्टी में पली थीं, जिन्हें इंग्लिश तो दूर, हिंदी भी बोलनी नहीं आती थी। साल बीतते गए और खेलों में महिलाओं का होना अब अनोखी बात नहीं और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाने के मामले में पुरुषों को पीछे छोड़ दिया, 2012 की एक तस्वीर मेरे दिमाग में छपी हुई है। लंदन ओलंपिक्स, जिसमें महिला बॉक्सिंग मुकाबला पहली बार शामिल किया गया था, तब पांच बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने खेल में वापसी का फैसला लिया। 29 की उम्र और दो बच्चों की मां, ओलंपिक पदक जीतने से चूकना नहीं चाहती थीं। मैं नॉवेल लेखक राहुल भट्टाचार्य के साथ राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला गया, जिन्हें एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के लिए उनपर विशेष लेख लिखने का काम सौंपा गया था। ट्रेनिंग रिंग में मैरी कॉम के नाजुक, छोटे से शरीर को तीव्र गति वाले हाथों से जबरदस्त ऊर्जावान प्रहार करते देखकर मेरी सांसें थम गईं। राहुल की सहजबोध, लयदार एवं संवेदनशील अंतर्दृष्टि निर्देशित लेखनशैली-वे खासियतें जिन्होंने उनकी मशहूर किताब 'रेलसॉन्ग' में एक मजबूत औरत (मैरी कॉम) का किरदार रोशन किया- बाद में एक लेख के रूप में सामने आईं। मैरी कॉम, जिन्होंने लंदन ओलम्पिक्स में कांस्य पदक जीता, गरीबी और हिंसा ग्रस्त मणिपुर के 'कॉम' कबीले से हैं और उनकी कहानी भारत में एक महिला होने का निचोड़ प्रस्तुत करती है, कि सिर्फ वही लोग जिनके पास मजबूत इरादा व अच्छी किस्मत हों, चोटी तक पहुंचने के रास्ते की मुश्किलों से पार पा सकते हैं।

मैरी कॉम की कामयाबियों पर हैरान होता हूं वहीं उनके मौजूदा कटु वैवाहिक रिश्ते, तलाक एवं पैसे की तंगी की खबर से व्यथित हूं। उनकी कहानी कई तरह साक्षी मलिक की कामयाबी व निराशा की कहानी जैसी है, जो उनकी यादों की किताब 'विटनेस' में बताई गई है। किताब में साक्षी द्वारा कुश्ती संघ अध्यक्ष के खिलाफ यौन-प्रताड़ना मामले में उन्हें पहुंचा संताप व निष्फल गया विरोध महसूस होता है। इसे पढ़कर समझ आता है कि मर्द वर्चस्व वाली दुनिया में लैंगिक पक्षपात के चलते, एक महिला और सफल होना कितना मुश्किल है। विनेश फोगाट की तरह साक्षी की कहानी भी हिम्मत और हर मुश्किल के बावजूद कामयाबी पाने की है, तथापि उनकी मौजूदा जिंदगी पर उनके साथ हुए धोखे की छाया तारी है। उन्हें लगता है कि वे एक ऐसी व्यवस्था का शिकार हैं, जो हर हुक्म मानने पर पुरस्कृत करती है और अलग राय रखने पर दंडित।

भुजंगासन

इस आसन से वजन कम होता है। रीढ़ की हड्डी मजबूत और थकान कम करके शरीर को लचीला बनाता है। इसके अभ्यास से पीठ दर्द में राहत मिलती है। फेफड़ों और हृदय का विस्तार होता है। इस आसन को करने के लिए पेट के बल सीधा लेटकर पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें।

अधोमुख श्वनासन

यह आसन शरीर को तनावमुक्त करता है और रक्त संचार को बढ़ाता है। इससे शरीर मजबूत और लचीला बनता है। साथ ही तनाव कम करने और पाचन में सुधार करने में मदद करता है। पेट के बल लेटकर सांस खींचते हुए पैरों और हाथों के बल शरीर को उठाएं। कोहनी और घुटनों को सख्त रखते हुए हिप्स को ऊपर उठाएं और शरीर को उल्टे V का आकार दें। हाथों से जमीन पर दबाव देते हुए दृष्टि को नाभि पर केंद्रित करें। कुछ सेकेंड रुकने के बाद घुटने जमीन पर टिका दें और मेज जैसी स्थिति में फिर से वापस आ जाएं।

सूर्य नमस्कार

के ये आसन सुबह सिर्फ 10 मिनट करने से मिलेंगे कई फायदे

सूर्य नमस्कार शरीर, मन और प्राण को संतुलित करने वाली प्राचीन विद्या है। 12 आसनों की यह श्रृंखला सुबह की धूप की तरह है जो धीरे-धीरे फैलती है, भीतर तक गर्माहट भरती है और हर हिस्से को नई ऊर्जा से जगाती है। जो लोग योग की शुरुआत करना चाहते हैं, उनके लिए सूर्य नमस्कार सबसे संपूर्ण, सबसे सरल और सबसे कारगर अभ्यास माना गया है। इस क्रम के हर आसन में श्वास और गति का ध्यान रखना होता है। यही संयोजन इसे पूर्ण व्यायाम की श्रेणी में रखता है। सूर्य नमस्कार वजन नियंत्रण और मोटापा कम करने में प्रभावी है। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। पाचन, हार्मोन और मेटाबॉलिज्म में सुधार लाता है। तनाव, एंग्जायटी और नींद की समस्या कम होती है। पुरुषों में स्टैमिना और महिलाओं में हार्मोनल बैलेंस को बेहतर बनाता है। सूर्य नमस्कार के अभ्यास से पोश्चर सुधरता है और शरीर में फ्लैक्सिबिलिटी और ताकत दोनों बढ़ती है।

हस्त पादासन

यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और हैमस्ट्रिंग्स को खींचता है। इस आसन से पाचन मजबूत, कमर व जांघ की जकड़न दूर और दिमाग पर ठंडा प्रभाव डालता है, जिसे तनाव कम होता है। सूर्य नमस्कार के तीसरे अभ्यास के लिए सांस भीतर खींचते हुए कमर को मोड़कर आगे की ओर झुकें। फिर हिप्स को ऊपर उठाते हुए हाथों को पंजे के बगल में जमीन पर रखें। सीना पैर को छूता रहे और सिर को नीचे की ओर झुकाते हुए टांगों के बीच से झांकते रहें। 10-30 सेकेंड इसी अवस्था में रुकें, फिर सांस छोड़ते हुए प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं।

ताड़ासन

ताड़ासन का अभ्यास करने के लिए शरीर को सीधा रखकर हाथों को नीचे लाना होता है। इस दौरान श्वास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस आसन का अभ्यास से मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ाने में सहायक है। हाथ को शरीर के बगल में रखकर सीधे खड़े हो जाएं। अब हाथों को सिर के ऊपर रखते हुए एड़ियों को ऊपर उठाएं। जितना हो सके शरीर को स्ट्रेच करें। कुछ देर इसी स्थिति में रुके, फिर सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं।

पर्वतासन

यह आसन शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करता है। फेफड़ों और ब्लड सर्कुलेशन के लिए अच्छा है। हैमस्ट्रिंग और काफ मसल्स मजबूत बनाता है। इसके अभ्यास से शरीर से थकान बाहर निकलती है और रक्तसंचार सिर की ओर होता है, जिससे मस्तिष्क शांत और एकाग्रता बढ़ती है। इसके अभ्यास के लिए पैरों को सामने फैलाकर हाथों को शरीर के बगल में रखते हुए दाहिने पैर को बाईं जांघ पर रखें। बायां पैर दाईं जांघ पर रखते हुए कुछ सेकेंड गहरी सांस लें और नमस्कार की मुद्रा में हथेलियों को सिर के ऊपर ले जाएं। हिप्स को जमीन पर और हाथों को ऊपर की ओर खींचे। कुछ सेकेंड इसी मुद्रा में रहते हुए धीरे धीरे प्रारंभिक मुद्रा में आ जाएं।

प्रणामासन

इस आसन में शरीर प्रणाम की मुद्रा में होता है। इसके लिए सीधा खड़े होकर अपने पैरों को पास रखते हुए हाथों को छाती के सामने नमस्कार मुद्रा में जोड़ना चाहिए। प्रणामासन के अभ्यास से मानसिक एकाग्रता और शांति बढ़ती है। शरीर को अभ्यास के लिए तैयार करता है और संतुलन व स्थिरता बढ़ाता है। प्रणामासन के अभ्यास के लिए दोनों पंजे जोड़कर सीधे खड़े होकर छाती को फुलाएं और कंधे ढीले रखें। फिर श्वास लेते हुए दोनों हाथ बगल से ऊपर उठाएं। अब श्वास छोड़ते हुए हथेलियों को जोड़ें और छाती के सामने प्रणाम मुद्रा में ले आएं।

हंसना मना है

दो प्रेमी एक प्लेट में आंखों में आंखें डालकर गोलगप्पे खा रहे थे। प्रेमिका- ऐसे क्यूं देख रहे हो डियर? प्रेमी- एक तो मुझे भी खा लेने दे ना भूखी चुड़ैल।

गर्लफ्रेंड (घोंचूजी से)- क्या तुम मुझसे सचमुच बहुत प्रेम करते हो? घोंचूजी - इसमें कोई शक है क्या? गर्लफ्रेंड- तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो? घोंचूजी- नहीं प्रिये, मेरा तो प्रेम अमर है।

प्रेमी-हम एक-दूसरे को इतना प्यार करते हैं, अच्छी तरह समझते हैं फिर भी तुम शादी को टाल रही हो क्या तुम्हें मेरे प्यार पर भरोसा नहीं है? प्रेमिका- तुम्हारे प्यार पर तो भरोसा है पर तुम्हारी प्राइवेट कंपनी की जॉब का क्या भरोसा?

गर्ल- मैं तुम्हारे लिए आग पे चल सकती हूं नदी में कूद सकती हूं, लड़का- लव यू जानू.. क्या तुम मुझे अभी मिलने आ सकती हो, गर्ल- पागल हो क्या इतनी धूप में?

मां बोली- बेटा तुझे पता है, कि पेट्रोल सस्ता हो गया है? बेटा - हां मां फिर? मां- चुप चाप फोन बंद कर के सो जा.. नहीं तो तेरे इसी फ़ोन पे पैट्रोल डाल के आग लगा दूंगी?

कहानी | लक्ष्य पर ध्यान

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

कहानी की सीख- हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सके।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

तुला: उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ: स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मिथुन: पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

धनु: अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

कर्क: घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

मकर: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

सिंह: प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ: रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या: दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

मीन: क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे सादा पारंपरिक भारतीय खाना अधिक पसंद है : अक्षय

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा वो अपने रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में बतौर होस्ट नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में अभिनेता ने अपने पसंदीदा खाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें वास्तव में आधुनिक वैश्विक व्यंजनों के बजाय सादा, पारंपरिक भारतीय खाना अधिक पसंद है। डिजिटल क्रिएटर विराज गेहलानी के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने एवोकाडो टोस्ट और ट्रफल पास्ता जैसे आधुनिक खानों का मजाक उड़ाया। साथ ही उन्होंने गुजराती व्यंजनों के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की। विराज एक गुजराती परिवार से आते हैं। उन्होंने बड़े होने के दौरान अपने घर में अपनाई जाने वाली खाने की रूटीन के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं गुजराती परिवार से आता हूं। हमारे घर में दिनचर्या होती है। सोमवार को तुअर की दाल, मंगलवार को सामान्य, बुधवार को मूंग की दाल, शुक्रवार को कढ़ी और शनिवार को उड़द की दाल। उनकी बात सुनकर अक्षय ने तुरंत इस खाने के प्रति अपना प्यार जाहिर कर दिया। उन्होंने कहा कि यार गुजराती खाना मेरे को बहुत मजा आता है। मुझे तो गुजराती थाली भी बहुत सही लगती है। विराज ने कहा कि घर पर मौसमी व्यंजन भी उनके भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। सीजन हो तो उंधियू भी बन जाता है। इस दौरान विराज ने बताया कि जब से मेरी शादी हुई है मेरा खाना बदल गया है। अब मैं सोमवार को एवोकैडो और मंगलवार को खमीरी रोटी खाता हूं। मैं अब ट्रफल मशरूम पास्ता खाता हूं। ये बहुत महंगा है और मुझे पसंद भी नहीं है, लेकिन मेरी पत्नी कहती है कि खाना तो पड़ेगा ही। इस पर विराज ने कहा कि मुझे नहीं पता इसे खाने का क्या फायदा है। अक्षय ने कहा कि पहले मुझे भी नहीं पता था कि एवोकाडो क्या होता है, बाद में जाके पता चला कि वो एक कमाल का फल है।

अब लक्ष्य लालवानी ने भी छोड़ी करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2

करण जौहर की अपकमिंग फिल्म 'दोस्ताना 2' की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। फिल्म की स्टारकास्ट पर लंबे समय से सवाल है। पहले इसमें जाह्नवी कपूर, कार्तिक आर्यन और लक्ष्य लालवानी लीड रोल में नजर आने वाले थे, लेकिन करण जौहर के साथ अनबन के बाद कार्तिक आर्यन को फिल्म से निकाल दिया गया। कुछ समय बाद जाह्नवी कपूर भी फिल्म से बाहर हो गईं, लेकिन लक्ष्य लालवानी फिर भी करण जौहर की अपकमिंग फिल्म का हिस्सा बने हुए थे, लेकिन अब एक बार फिर 'दोस्ताना 2' को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। 'दोस्ताना 2' के ऐलान के बाद से इसकी कास्टिंग में कई बदलाव हो चुके हैं। कुछ समय पहले विक्रांत मैसी ने कंफर्म किया था कि वो करण की फिल्म का हिस्सा हैं। लेकिन लेटेस्ट रिपोर्ट की मानें तो अब लक्ष्य लालवानी भी फिल्म से अलग हो गए हैं। हालांकि इस खबर को लेकर अभी तक मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जब इस फिल्म का ऐलान हुआ था, तब इसमें कार्तिक आर्यन, जाह्नवी कपूर और लक्ष्य लालवानी को मुख्य भूमिकाओं में लिया गया था। लेकिन समय के साथ फिल्म की योजना में कई बदलाव हुए और बाद में कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए। उस वक्त लक्ष्य लालवानी को फिल्म में बरकरार रखा गया था और माना जा रहा था कि वही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रहेंगे।

अब नई रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पहले काफी समय पहले शुरू होनी थी, लेकिन लगातार देरी के कारण पूरा प्रोजेक्ट ही आगे खिसकता चला गया। सूत्रों का कहना है कि फिल्म अभी भी बन रही है, लेकिन इसकी फाइनल कास्ट अभी तय नहीं हुई है। ऐसे में यह भी संभव है कि लक्ष्य लालवानी इस फिल्म में नजर न आएं। लक्ष्य ने फिल्म में लगातार देरी के बाद इससे अलग होने का फैसला किया है।

हालांकि अभिनेता विक्रांत मैसी पहले ही यह पुष्टि कर चुके हैं कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। 2025 में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है क्योंकि ये करण जौहर के साथ उनकी पहली फिल्म है। विक्रांत ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि इस फिल्म में दर्शक उन्हें बेहद स्टाइलिश अवतार में देखेंगे, जिसमें डिजाइनर कपड़े और फैशनेबल सनग्लासेस शामिल होंगे।

राजन शाही चाहेंगे तो अनुपमा में करूंगा वापसी : गौरव खन्ना

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

स्टार प्लस के शो अनुपमा में अनुज का कैरेक्टर बहुत ही मजबूत तरीके से दिखाया गया था। इस शो में दर्शकों ने अनुज के कैरेक्टर को इतना पसंद किया कि गौरव खन्ना हर किसी के फेवरेट बन गए। इस शो का हिस्सा बनने के बाद गौरव खन्ना को बिग बॉस 19 में देखा गया।

इस शो के वो विनर बने। उसके बाद से फैंस को लगने लगा कि बिग बॉस के बाद गौरव खन्ना अब अनुपमा में वापसी करेंगे। अब गौरव खन्ना ने खुद इस बात को कंफर्म कर दिया है कि वो इस शो का हिस्सा बनेंगे या नहीं। जब गौरव खन्ना से पूछा गया कि क्या वो फिर से अनुपमा में अनुज के तौर पर वापसी करेंगे।

ऐसे में गौरव खन्ना ने जो जवाब दिया वो काफी मजेदार था। गौरव खन्ना ने कहा, आप गलत इंसान से इस बारे में पूछ रहे हैं। क्योंकि अनुपमा में वापसी करना मेरे हाथ में नहीं है। ये हमारे प्रोड्यूसर राजन शाही और चैनल स्टार प्लस पर डिपेंड करता है। अगर स्टोरी में मेरे लिए कुछ इंट्रेस्टिंग होगा तो मैं जरूर वापस आऊंगा। लेकिन, अगर ट्रैक एक्साइटिंग नहीं है तो मैं वापस नहीं आऊंगा। गौरव खन्ना ने आगे कहा, अनुज कपाड़िया का कैरेक्टर सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला है, ऐसे में मैं इस कैरेक्टर को दोबारा करने में काफी खुश होऊंगा।

फिलहाल ऐसा कोई प्लान नहीं है। मैं शो भी फॉलो नहीं कर रहा हूं तो मुझे पता भी नहीं है कि स्टोरी में क्या हो रहा है। मालूम हो गौरव खन्ना को लेकर कभी-कभी दर्शकों को ऐसा लगता है कि वो शो में वापसी करेंगे। क्योंकि शो में अक्सर कुछ पुराने सीन्स और फ्लैशबैक दिखाए जाते हैं। गौरव ने बताया कि उन क्लिप्स में फैंस आज भी उन्हें टैग करते हैं। अच्छा लगता है कि दर्शक अनुज को याद करते हैं। फिलहाल, अभी कुछ भी डिसाइड नहीं हुआ है क्योंकि मैं कभी किसी चीज के लिए मना नहीं करता।

अजब-गजब | इस घर की खासियत इसकी उम्र ही इसका इतिहास भी संजोये है

200 साल पहले अंग्रेज भी नहीं हिला पाए इस घर की एक भी ईंट, बिना सरिया-सीमेंट के बना है मजबूत

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के नौगांव जनपद के सिंहपुर गांव में एक ऐसा घर है, जो करीब 200 साल पुराना बताया जाता है। इस घर की खासियत सिर्फ इसकी उम्र नहीं, बल्कि उससे जुड़ा इतिहास भी है। आज भी इस घर में तिवारी परिवार की आठवीं पीढ़ी रह रही है। गांव के लोग इस मकान को देखकर हैरान रह जाते हैं क्योंकि इतने साल बीतने के बाद भी यह लगभग उसी हालत में खड़ा है, जैसा पहले था।

जमींदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले श्रवण तिवारी बताते हैं कि उनके परिवार में जमींदारी का इतिहास कई पीढ़ियों पुराना है। अंग्रेजों के समय में उनके पुरखों के पास करीब पांच गांवों की जमींदारी हुआ करती थी। सिंहपुर गांव उस समय छतरपुर रियासत के अंतर्गत आता था। उनके दादा, परदादा और उनसे भी पहले की पीढ़ियां इसी इलाके में जमींदारी संभालती थीं। श्रवण तिवारी बताते हैं कि उनके पूर्वज जगन्नाथ प्रसाद तिवारी ने इस मकान का निर्माण करवाया था। उस समय सीमेंट और सरिया का इस्तेमाल नहीं होता था, इसलिए यह घर चूना और ईंटों से बनाया गया था। करीब 200 साल पहले बने इस मकान को उस समय तीन मंजिला बनाया गया था, जो उस दौर में काफी खास माना जाता था।

घर के बाहर देवी-देवताओं की सुंदर मूर्तियां बनाई गई थीं और मुख्य द्वार पर एक बड़ा और मजबूत किवाड़ लगाया गया था, जो आज भी उसी तरह मौजूद है। इस घर से जुड़ी एक और दिलचस्प कहानी भी है।

श्रवण तिवारी बताते हैं कि 14 जनवरी 1931 को जब सिंहपुर गांव में जलियांवाला बाग जैसी घटना हुई थी, तब अंग्रेजों ने गांव में गोलियां चलाई थीं। उस समय नौगांव के पॉलिटिकल एजेंट लार्ड फिशर ने खुद इस घर की तरफ भी गोलियां चलाई थीं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतनी गोलियां चलने के बावजूद इस मकान की दीवारों में कोई दरार तक नहीं आई।

तिवारी परिवार के अनुसार इस घर में उनकी सात पीढ़ियां रह चुकी हैं और अब आठवीं पीढ़ी यहां रह रही है। इतने सालों में इस घर में कोई बड़ा मरम्मत का काम भी नहीं कराया गया क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी। श्रवण तिवारी बताते हैं कि पुराने समय में चूना और लकड़ी से बने घर गर्मी में ठंडक देते थे। यही वजह है कि आज भी इस घर में गर्मियों में कूलर या पंखे की ज्यादा जरूरत महसूस नहीं होती। बरसात के मौसम में भी इस घर की दीवारों से पानी नहीं रिसता। यही कारण है कि यह 200 साल पुराना मकान आज भी मजबूती के साथ खड़ा है और इतिहास की एक अनोखी मिसाल बना हुआ है।

गजब! प्लेन की आवाज सुनकर खुशी से रोने लगता है यह व्यक्ति, नहीं है इसका कोई इलाज!

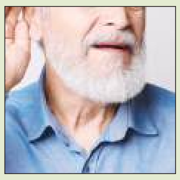

दुनिया में ऐसी कई बीमारियां हैं जो बेहद खतरनाक हैं और उसका कोई इलाज भी नहीं है। डिमेंशिया भी ऐसी ही एक बीमारी है। हाल ही में एक शख्स के बारे में चर्चा है जिसे डिमेंशिया हुआ मगर उसके लक्षण काफी अजीब थे। उसे एक खास तरह की आवाज इतनी पसंद आने लगी कि जब-जब वो उसे सुनता, तब-तब उसे खुशी से रोना आ जाता। डिमेंशिया एक ऐसी बीमारी है जो इंसान की याददाश्त, सोचने की क्षमता, व्यवहार और रोजमर्रा के काम करने की ताकत को धीरे-धीरे प्रभावित करती है। दुनिया भर में लगभग 5.5 करोड़ से ज्यादा लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं, जबकि अमेरिका में ही करीब 70 लाख लोग डिमेंशिया के मरीज हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में सामने आए एक नए केस स्टडी में डिमेंशिया का एक बेहद अनोखा लक्षण देखने को मिला है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह लक्षण भविष्य में इस बीमारी को पहचानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह मामला 68 साल के एक व्यक्ति का है, जिसे मेडिकल जर्नल में केवल सीपी नाम से बताया गया है। डिमेंशिया की पहचान होने से करीब दो साल पहले सीपी को एक खास तरह की आवाज से अचानक बेहद लगाव हो गया था। उन्हें स्पिटफायर फाइटर प्लेन के इंजन की आवाज बहुत पसंद आने लगी थी। सीपी अपने घर के पास एक एयरफील्ड के करीब रहते थे, जहां अक्सर स्पिटफायर विमान उड़ते थे। उनकी पत्नी के अनुसार जैसे ही वह विमान की आवाज सुनते, तुरंत बाहर भागकर विमान की ओर हाथ हिलाते और खुशी के मारे उनकी आंखों में आंसू आ जाते थे। दिलचस्प बात यह थी कि यह उत्साह सिर्फ स्पिटफायर विमान की आवाज के लिए ही था। अन्य विमानों की आवाज या सामान्य तौर पर एविएशन में उन्हें कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। कुछ समय बाद डॉक्टरों ने जांच के बाद सीपी को बिहेवियरल फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया नाम की बीमारी से ग्रसित पाया। यह डिमेंशिया का एक दुर्लभ प्रकार है जो मस्तिष्क के फ्रंटल और टेम्पोरल हिस्सों को प्रभावित करता है। आमतौर पर यह बीमारी 45 से 64 वर्ष की उम्र के बीच ज्यादा देखी जाती है। इस बीमारी में मरीजों को सामान्य डिमेंशिया की तुलना में याददाश्त की समस्या कम होती है, लेकिन उनके व्यवहार और व्यक्तित्व में बड़ा बदलाव आ सकता है। कई बार मरीजों में भावनात्मक बदलाव, गुस्सा, अजीब व्यवहार और सामाजिक नियमों की अनदेखी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सीपी में भी कई ऐसे बदलाव देखने को मिले। उन्हें अचानक मूड स्विंग होने लगे, वे जल्दी चिड़चिड़े हो जाते थे और दूसरों की बात काटने लगे थे। इसके अलावा उन्हें मीठा खाने की आदत भी बढ़ गई थी। इतना ही नहीं, उन्हें शतरंज और शब्द खोजने वाले खेलों का भी बहुत ज्यादा शौक हो गया था। वहीं दूसरी ओर उन्हें पक्षियों की आवाज और तेज आवाज में बोलने वाले लोगों से चिढ़ होने लगी थी।

देश में मौजूदा संकट के लिए पीएम की नीतियां जिम्मेदार

कांग्रेस, आप और शिवसेना यूबीटी का एनडीए पर हमला

» कुछ मजबूरियों के चलते मोदी जी ट्रंप के सामने झुक रहे : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नईदिल्ली। देश में एलपीजी आपूर्ति के संकट को लेकर विपक्ष ने बीजेपी सरकार को घेरा है। आप, कांग्रेस व शिवसेना यूबिटी ने इसके लिए पीएम मोदी की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष से भू-राजनीतिक उथल-पुथल जारी है, जिससे वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है। इसी बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने किया कि देशभर में कई प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोक दी गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपने मजबूरी के चलते ट्रम्प के सामने झुकने का आरोप लगाया।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हालिया बयान के जवाब में एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि देश भर में, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर, अन्य सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी गैस की आपूर्ति रोक दी गई है। गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए ही उपलब्ध कराई जाएगी। आने वाले दिनों में गैस और तेल की स्थिति और भी खराब होने की संभावना है। केजरीवाल ने एक पोस्ट में लिखा था कि अपनी कुछ मजबूरियों के चलते मोदी जी ट्रंप के सामने झुक रहे हैं। क्या आज देश इसकी कीमत चुका रहा है? यह घटना पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तेल रिफाइनरियों को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के आदेश जारी करने और अतिरिक्त उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित करने के एक दिन बाद हुई है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार में जारी अनिश्चितता के बीच नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने घरों में एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है।

सरकार ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें बढ़ा दीं : मनीष

संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसदीय चर्चा न कराने के लिए सरकार की कड़ी आलोचना की। तिवारी ने कहा कि हमने कल स्थगन प्रस्ताव पेश किया था क्योंकि पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। सरकार ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें बढ़ा दी हैं और बेंगलुरु, मुंबई और अन्य जगहों पर खाना पकाने की गैस की कमी है। कल हम बस इसी पर चर्चा करना चाहते थे। युद्ध अभी शुरू ही हुआ है और अगर यह लंबे समय तक चलता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर इसका क्या असर होगा?

मोदी सरकार में बातें बहुत पर आम आदमी परेशान : चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को व्यावसायिक सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करती है, जबकि आम लोग लगातार कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। भारत सरकार ने पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों तथा प्राकृतिक गैस की उपलब्धता, आपूर्ति और समान वितरण को विनियमित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 लागू किया। यह निर्णय हाल ही में हुए भू-राजनीतिक व्यवधानों के बाद लिया गया, जिससे वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई थी। चतुर्वेदी ने सरकार की आलोचना करते हुए गैस की कीमतों में हाल ही में हुई वृद्धि की ओर भी इशारा किया। उन्होंने बताया कि संसद के प्रश्नकाल के दौरान हमसे झूठ बोला गया। हमें बताया गया था कि हमारे पास पर्याप्त भंडार है। आज की स्थिति दर्शाती है कि यह सरकार ईश्वर की कृपा से चल रही है। ये लोग सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं जबकि आम जनता को ही परेशानी झेलनी पड़ रही है।

मप्र के किसानों के साथ न्याय नहीं कर पा रही सरकार : जीतू पटवारी

» किसान-मजदूर महाचौपाल में कांग्रेस अध्यक्ष को भाजपा पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नरसिंहपुर। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी में मंगलवार को किसान-मजदूर महाचौपाल एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला और कई स्थानीय मुद्दों को उठाया। पटवारी ने कहा कि देश और प्रदेश के किसान आज भी अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और मध्यप्रदेश में मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार किसानों के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

उन्होंने कहा कि गेहूं, धान, सोयाबीन, गन्ना सहित अन्य फसलों का किसानों को वाजिब दाम नहीं मिल रहा है, जिससे किसान आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं। पत्रकारों से चर्चा के दौरान पटवारी ने गाडरवारा स्थित एनटीपीसी परियोजना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां से कई कंटेनरों का उपयोग अवैध गतिविधियों में किया जा रहा है। उनके अनुसार इन भारी वाहनों के कारण क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पटवारी ने कहा कि एनटीपीसी जैसी बड़ी परियोजना होने के बावजूद नरसिंहपुर जिले को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं, जबकि परियोजना का भार और यातायात का दबाव क्षेत्र के लोगों को झेलना पड़ रहा है।

हरियाणा में सरसों की खरीद पर बिचौलियों का कब्जा : अभय चौटाला

» इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- 12 मार्च से खरीद शुरू करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने प्रदेश सरकार से सरसों की सरकारी खरीद 28 मार्च की बजाय 12 मार्च से शुरू करने और गेहूं सहित अन्य रबी फसलों की खरीद 20 मार्च से शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस बार गर्मी सामान्य से करीब 20 दिन पहले शुरू हो गई है जिसके कारण सरसों की फसल जल्दी पक कर तैयार हो गई और किसान अपनी उपज मंडियों में लेकर पहुंचने लगे हैं। चौटाला ने आरोप लगाया कि सरकारी खरीद शुरू न होने का फायदा बिचौलिए उठा रहे हैं और किसानों की सरसों 800 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल कम दाम पर खरीद रहे हैं।

इससे पहले से कर्ज में डूबे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। 10 मार्च तक प्रदेश की मंडियों में 5 लाख क्विंटल से अधिक सरसों बिक्री के लिए आ चुकी है। उन्होंने आशंका जताई कि 28 मार्च तक किसानों की लगभग 90 फीसदी सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बिक जाएगी और बाद में व्यापारियों व भ्रष्ट तंत्र की मिलीभगत से यही फसल समर्थन मूल्य पर बेचकर हजारों करोड़ रुपये का घोटाला हो जाएगा। उन्होंने मंडियों में कच्ची पर्ची सिस्टम पर रोक लगाने की भी मांग की।

तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्रः स्टालिन

» सिलेंडरों की आपूर्ति की जांच करने के लिए सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाड़ी देशों में रहने वाले तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की जांच करने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। यह आग्रह पश्चिम एशिया में ईरान, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध के मद्देनजर आया है, जो खाड़ी देशों तक फैल चुका है। स्टालिन ने तमिलनाडु पर चल रहे अमेरिका-ईरान संघर्ष के संभावित प्रभाव का आकलन करने और आवश्यक प्रतिक्रियात्मक उपायों की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक समीक्षा बैठक की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर प्रभावित खाड़ी देशों में रहने वाले तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र में फंसे तमिलनाडु के मछुआरों के कल्याण की रक्षा करने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया है। स्टालिन ने कहा कि मैंने इस बात पर भी जोर दिया है कि केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस संघर्ष के कारण उत्पन्न एलपीजी सिलेंडर की कमी से तमिलनाडु में आम जनता, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों या लघु एवं मध्यम उद्यमों को कोई परेशानी न हो। मैंने यह भी आग्रह किया है कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कमी से प्रभावित रेस्तरांओं के लिए सभी आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं और आवश्यक अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था की जाए।

चेन्नई होटल्स एसोसिएशन ने एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए पीएम से की अपील

इस बीच, चेन्नई होटल्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री से खाद्य उद्योग के लिए आवश्यक व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में हस्तक्षेप करने की अपील की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष एम रवि ने प्रधानमंत्री मोदी और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है कि चेन्नई शहर में एलपीजी सिलेंडरों की कमी को देखते हुए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को आवश्यक आपूर्ति सूची में शामिल किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने कहा कि आईटी उद्योग, कॉलेज, पर्यटन, यात्री और विवाह एवं सम्मेलनों के भोज स्थल मुख्य ग्राहक हैं, जिन पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ने की संभावना है, और प्रधानमंत्री से इस मुद्दे को तुरंत हल करने की अपील की।

पश्चिम एशिया संकट बनेगा आईपीएल में बाधा!

» एलपीजी की आपूर्ति और खिलाड़ियों की आवाजाही पर बीसीसीआई रख रहा नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 19वें संस्करण की शुरुआत 28 मार्च से होनी है। बीसीसीआई अब 12 मार्च तक टूर्नामेंट के शुरुआती 20 दिनों का कार्यक्रम जारी हो सकता है। वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बीसीसीआई टूर्नामेंट की तैयारियों पर कड़ी नजर रखे हुए है। खासतौर पर एलपीजी की आपूर्ति और विदेशी खिलाड़ियों की यात्रा व्यवस्था को लेकर स्थिति की समीक्षा की जा रही है।

आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि अभी तक होटलों या अन्य हितधारकों की ओर से किसी तरह की औपचारिक शिकायत नहीं आई है, लेकिन स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर होटलों को एलपीजी की कमी से कोई दिक्कत होती है और वे बोर्ड को इसकी जानकारी देते हैं, तो उस आधार पर आगे फैसला लिया जाएगा। दरअसल, अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में हालात तनावपूर्ण हैं, जिससे एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता देने की बात कही है। इसके चलते होटलों और रेस्तरां के लिए मिलने वाली कमर्शियल एलपीजी में कमी की स्थिति बन सकती है। मुंबई, बंगलूरू और चेन्नई जैसे शहरों में कई रेस्तरां पहले ही गैस की कमी की आशंका जता चुके हैं। ऐसे में अगर कमर्शियल गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर आईपीएल के दौरान होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर पर पड़ सकता है। आईपीएल 2026 से पहले विदेशी खिलाड़ियों और प्रसारण टीमों की यात्रा व्यवस्था भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

कल 19वें संस्करण का कार्यक्रम होगा जारी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होनी है, लेकिन अभी तक बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। हालांकि, अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल के आगामी सत्र के कार्यक्रम को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 12 मार्च तक टूर्नामेंट के शुरुआती 20 दिनों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। सचिव सैकिया ने बताया कि आईपीएल के 19वें संस्करण का आयोजन 28 मार्च से 31 मई तक होगा। पहले इसकी विंडो 26 मार्च से 30 मई तय की गई थी, लेकिन अब तारीखों में थोड़ा बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा, हम 12 मार्च तक आईपीएल 2026 का शेड्यूल घोषित करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल पहले 20 दिनों के मैचों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। दरअसल, बीसीसीआई शेष मैचों का कार्यक्रम बाद में जारी करेगा ताकि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से मैचों का टकराव न हो।

भावुक फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने दी इच्छा मृत्यु की अनुमति

» 32 साल के हरीश राणा के पिता की अर्जी पर सुनवाई के बाद निर्णय

» 13 साल से इर्रिवर्सिबल वेजिटेटिव स्टेट में है मरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक अहम डेवलपमेंट में, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पहली बार 2018 के कॉमन कॉज जजमेंट में तय लीगल फ्रेमवर्क के तहत पैसिव यूथेनेशिया की इजाज़त दी, जिसे 2023 में अपडेट किया गया। यह फैसला जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने दिया, जिसने भारत में सम्मान के साथ मरने के अधिकार के बदलते कानून में एक अहम मोड़ ला दिया।

यह ऑर्डर 32 साल के हरीश राणा के पिता की अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया गया, जो एक बिल्डिंग से बुरी तरह गिरने के बाद 13 साल से इर्रिवर्सिबल वेजिटेटिव स्टेट में हैं। आज का फैसला एक ऐतिहासिक फैसला होगा क्योंकि यह पैसिव यूथेनेशिया पर 2018 की सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस को आगे बढ़ाता है। आज का हरीश राणा का फैसला उन पहलुओं को साफ़ करता है कि पैसिव यूथेनेशिया को उन मामलों में कैसे लागू किया जाना चाहिए जहाँ मरीज़ की जान फीडिंग ट्यूब से चल रही हो, कुछ ऐसा जो पिछले फैसले में साफ़ तौर पर बताया नहीं गया था। इसी वजह से हरीश राणा के माता-पिता को कोर्ट जाना पड़ा। उनकी अर्जी आखिरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची, जिसने आज अपने आदेश में हरीश राणा का हॉस्पिटल में मेडिकल ट्रीटमेंट हटाने की इजाज़त दे दी, जिससे 32 साल के इस शख्स को इज्जत से मरने का मौका मिला।

लाइफ सपोर्ट को हटाया जाएगा

कोर्ट ने हरीश के परिवार की अर्जी पर मंजूरी देते हुए उनका मेडिकल सपोर्ट सिस्टम हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि यहां मुख्य सवाल ये नहीं है कि ऐसे मामलों में मृत्यु मरीज के लिए सर्वोत्तम हित में है, बल्कि ये है कि क्या उसको लाइफ सस्टेनिंग ट्रीटमेंट पर जिंदा रखना उसके हित में है. कोर्ट ने कहा कि एम्स के पैलिएटिव केयर में हरीश को भर्ती किया जाएगा ताकि मेडिकल ट्रीटमेंट वापस लिया जा सके. कोर्ट ने कहा कि ये सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पूरी गरिमा के साथ इस प्रक्रिया को पूरा किया जाए।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस पारदीवाला के आए आंसू

गाजियाबाद के हरीश राणा मामले में इच्छामृत्यु की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस जेबी पारदीवाला बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गईं। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह बेहद दुखद है। यह हमारे लिए मुश्किल फैसला है, लेकिन इस लड़के (हरीश) को यूं अपार दुख में नहीं रख सकते। हम उस स्टेज में हैं, जहां हमें आखिरी फैसला लेना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा के परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा. किसी से प्यार करने का मतलब है, सबसे बुरे समय में भी उनकी देखभाल करना।

लोकसभा में हंगामा जारी, सरकार के निशाने पर नेता प्रतिपक्ष

राहुल बोले- जब भी हम बोलने खड़े होते हैं, स्पीकर हमें रोक देते हैं

» रविशंकर प्रसाद का हमला- स्पीकर के पद पर अविश्वास को टूल नहीं बनाया जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष की ओर से लाए गए संकल्प पर दूसरे दिन भी चर्चा जारी है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को सदन में बहस की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिस पर हंगामा देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर बीजेपी सांसद ने दो टूक कहा कि ये प्रधानमंत्री के गले पड़ते हैं। शहीदों का अपमान करते हैं। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है।

बीजेपी नेता ने कहा कि आजादी के बाद इतने वर्षों में केवल दूसरी बार स्पीकर के खिलाफ अविश्वास पर बहस हो रही है। स्पीकर के पद पर अविश्वास को टूल नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी को लेकर सदन में हंगामा हुआ और विपक्षी सांसद वेल में आ गए। उधर नेता प्रतिपक्ष ने कहा जब भी हम बोलने खड़े होते हैं, स्पीकर हमें रोक देते हैं। 118 सांसदों द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर 10 घंटे की चर्चा जारी है और आज गृह मंत्री अमित शाह भी बहस में हिस्सा ले सकते हैं।

सपा सांसद ने सदन में पढ़ी शायरी, लगे ठहाके

सपा सांसद आनंद भदौरिया ने बीजेपी पर तंज कसते हुए एक शायरी की। उसमें उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने खोली है मोहब्बत

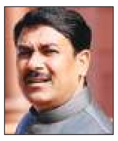

की दुकान, क्योंकि नफरती लोगों को प्यार की जरूरत है और जीत ने अंधा कर दिया है तुम्हें, तुझको इजहार की जरूरत है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद का नाम प्रस्तावित किया।

राहुल गांधी के कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम कहने पर मचा घमासान

राहुल गांधी ने कहा कि यह किसी एक पार्टी को नहीं, बल्कि पूरे देश को रिप्रेजेंट करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए

उठते हैं, तो हमें बोलने से रोक दिया जाता है। पिछली बार जब मैंने बात की थी, तो मैंने हमारे प्रधानमंत्री पर किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। इसी दौरान उन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम कहा, जिस पर बीजेपी नेता ने पलटवार किया।

लोकसभा में बोलते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया गया है और मेरे बारे में अजीब बातें कही गई हैं। यह सदन भारत के लोगों की अभिव्यक्ति है। यह किसी एक पार्टी को नहीं, बल्कि पूरे देश को रिप्रेजेंट करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए उठते हैं, तो हमें बोलने से रोक दिया जाता है।

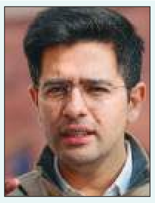

राघव चड्ढा ने सदन में उठाया प्रीपेड रिचार्ज का मुद्दा

आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, आज मैंने सदन में प्रीपेड रिचार्ज कराकर अपना फोन चलाने वाले उपभोक्ताओं का मुद्दा उठाया। जब रिचार्ज की वैद्यता समाप्त हो जाती है तब आउटगोइंग कॉल का बंद होना समझ आता है लेकिन इनकमिंग कॉल भी उसके साथ बंद कर देना उचित नहीं है। ये टेलीकॉम कंपनियों की मनमानी है जिस पर रोक लगनी चाहिए... मैंने मांग रखी कि कम से कम 1 साल तक इनकमिंग कॉल चालू रहनी चाहिए ताकि देश का आम आदमी राइट टू कम्युनिकेशन सरेंडर ना करें..।

केंद्र सरकार को सुप्रीम झटका

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया था सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोशल मीडिया पर सरकार के बारे में फर्जी और भ्रामक सामग्री को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में 2023 में किए गए संशोधनों को रद्द कर दिया गया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के 2024 के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें संशोधित नियमों को असंवैधानिक घोषित किया गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची की बेंच ने मूल याचिकाकर्ताओं, जिनमें स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स शामिल हैं, को नोटिस जारी किए।

हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह बेहतर होगा यदि पूरे मामले का अंतिम निर्णय हो जाए। अदालत का इस मामले को व्यापक रूप से सुलझाने का इरादा स्पष्ट होता है। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, जिस तरह से कुछ प्लेटफॉर्म काम कर रहे हैं, ऐसी खबरें संस्थानों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। स्पष्ट दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है, लेकिन इसे फैलाने वालों पर कोई जिम्मेदारी डाले बिना, इस मुद्दे की जांच होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाने का आग्रह किया और तर्क दिया कि संशोधनों के पीछे सरकार का इरादा सामग्री को पूरी तरह से अवरुद्ध करना नहीं था, बल्कि सरकारी गतिविधियों के बारे में प्रसारित होने वाली गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक तंत्र बनाना था।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी

» कल इंडिया गठबंधन लोस और रास में प्रस्ताव पेश करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दल इंडिया गठबंध गुरुवार को संसद में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकता है। सूत्रों ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। यह अपनी तरह का पहला कदम है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में प्रस्ताव पेश करने पर विचार कर रहा है।

हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि प्रस्ताव एक सदन में पेश किया जाएगा या दोनों सदनों में। इस मामले पर आज शाम तक फैसला होने की उम्मीद है, जिसके बाद गुरुवार को औपचारिक रूप से नोटिस दाखिल किया जाएगा। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता, जो नोटिस तैयार करने में शामिल थे, ने कहा कि यह कदम विपक्षी दलों का सामूहिक प्रयास है। टीएमसी नेता ने बताया कि इस नोटिस को तैयार करने और योजना बनाना वास्तव में सभी समान विचारधारा वाले दलों का सामूहिक प्रयास है। दोनों सदनों में इसका क्रियान्वयन भी पूर्ण सहयोगात्मक होगा। नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद की गरिमा को पूरी तरह से ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस सूत्रों ने पुष्टि की कि पार्टी इस नोटिस का समर्थन करेगी।

इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियां भी इसके पक्ष में हैं, और यह मसौदा कई विपक्षी समूहों द्वारा सामूहिक रूप से तैयार किया गया है। अब विपक्षी सांसद दोनों सदनों के सदस्यों से प्रस्ताव पेश करने के लिए हस्ताक्षर एकत्र करना शुरू करेंगे। संसदीय नियमों के अनुसार, प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के लिए लोकसभा से कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा से 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।

राहुल गांधी सत्ता के सामने झुकने वाले नेता नहीं हैं : प्रियंका गांधी

लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस व सरका में तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को सत्ता के सामने न झुकने वाला नेता बताया, जबकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर स्पीकर की अवमानना और सदन के नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्ताधारी पक्ष के दबाव के बावजूद लगातार सच बोलते रहे हैं। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में केवल एक ही व्यक्ति है जिसने उनके (सत्ताधारी पक्ष के) सामने सिर नहीं झुकाया है। वह हैं विपक्ष के नेता। वे उनके द्वारा बोले गए सच को पचा नहीं पा रहे हैं। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्ष पर अशांत होने और जनता की इच्छा के विरुद्ध जाने का आरोप लगाया, क्योंकि उनका आरोप है कि वे अध्यक्ष की शक्ति को अपने लिए हथियाना चाहते हैं।

राहुल गांधी की तेल आपूर्ति संकट की चेतावनी सच साबित हुई

प्रियंका गांधी ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति में व्यवधान पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी की तेल आपूर्ति संकट की चेतावनी सच साबित हुई है। उन्होंने मौजूदा संकट के लिए पूरी तरह से भाजपा की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

यह सरकार अमेरिका के इशारे पर चल रही है

उन्होंने कहा कि यह सरकार अमेरिका के इशारे पर चल रही है। अगर अमेरिका कहता है कि यह तेल ले लो, तो वे ले लेंगे, और अगर वह कहता है कि किसी जगह से तेल मत लो, तो वे नहीं लेंगे। अंततः, देश जिस असुरक्षा का सामना कर रहा है, वह पूरी तरह से भाजपा की वजह से है। इससे पहले 5 मार्च को राहुल गांधी ने कहा था कि आगे तूफानी समुद्र है, क्योंकि भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट में प्रधानमंत्री की चुप्पी यह साबित करती है कि कैसे एक समझौतावादी प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा